दैनिक

FAC NEWS
फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल
SPEED MULTIMEDIA

# फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०९ | अंक:२३३ | मुंबई,शनिवार ३१ जनवरी २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.


# केंद्र सरकार की नीति पर कांग्रेस का सख्त विरोध

## मनरेगा बचाव के लिए सड़क पर उतरे कार्यकर्ता

**सईद शेख**

**मुंबई।** महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण' करने और योजना के स्वरूप में किए गए बदलावों के विरोध में कांग्रेस ने लखोली बाइपास चौक पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन मनरेगा बचाव संग्राम के तहत आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। धरने के बाद नेशनल हाईवे-53 पर कुछ समय के लिए सांकेतिक चक्का जाम किया गया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई और मनरेगा को पुराने स्वरूप में बनाए रखने की मांग की गई। प्रशासन की मौजूदगी में यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ, लेकिन विरोध का माहौल पूरी तरह गंभीर और सशक्त था।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि नाम बदलने और योजना में बदलाव करने से ग्रामीण मजदूरों के अधिकार कमजोर होंगे और गरीबों को मिलने वाला रोजगार प्रभावित होगा। नेताओं का कहना है कि यह केवल नाम बदलने का मुद्दा नहीं है, बल्कि ग्रामीण रोजगार और आजीविका के मूल अधिकारों पर हमला है।

### केंद्र से अधिक हिस्सेदारी की मांग

**कांग्रेस ने केंद्र सरकार से स्पष्ट मांग की है कि मनरेगा का नाम बदला न जाए और योजना में केंद्र की हिस्सेदारी बढ़ाकर 90 प्रतिशत की जाए। उनका कहना है कि इससे मजदूरों को समय पर भुगतान मिलेगा और ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर बनाए रखे जा सकेंगे। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि मनरेगा में किए गए बदलाव वापस नहीं लिए गए, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।**

## अखिलेश यादव का योगी पर हमला कहा बाबा के पास कोई ऐसा बुलडोजर है जो टूटे हुए घर को भी बना दे

अखिलेश यादव ने अयोध्या में सपा नेता मोईद खान पर लगे रेप के आरोपों से बरी होने पर अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या बीजेपी के पास कोई ऐसा बुलडोजर भी है, जो टूटे घर बना दे और मान सम्मान लौटा दे। मोईद खान पर रेप के आरोप लगने पर उनका घर और दुकानें बुलडोजर से गिरा दी गई थीं।

## जोधपुर में साध्वी की मौत, हत्या या हत्या की साजिश पर सस्पेंस

एक साध्वी की संदिग्ध मौत, ये मशहूर साध्वी राजस्थान के जोधपुर की है, नाम है प्रेम बाईसा।

साध्वी के पिता का कहना है कि एक इंजेक्शन की वजह से तबीयत बिगड़नी शुरू हुई और उनकी बेटी ने दम तोड़ दिया। लेकिन मौत के 4 घंटे बाद साध्वी के ही इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट कर इंसाफ की मांग की गई। जिसके बाद सवाल उठे कि साध्वी की मौत के बाद किसने उसके अकाउंट से पोस्ट किया? पिता ने दावा किया है कि उनकी बेटी को बदनाम करने वालों ने दोपहर से शाम तक लगातार पोस्ट की, जो लगातार साध्वी के पीछे पड़े हुए थे। सवाल ये है कि साध्वी के खिलाफ पोस्ट किसने लिखी? वो लोग कहां हैं?

## अडानी के बिजली समझौते पर बांग्लादेश में सवाल, समीक्षा समिति ने पाई गंभीर विसंगतियां

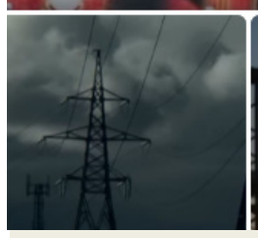

बांग्लादेश सरकार की एक समीक्षा समिति ने भारतीय कारोबारी समूह अडानी के साथ हुए अरबों डॉलर के बिजली आपूर्ति समझौते में गंभीर विसंगतियां पाए जाने का दावा किया है। यह समझौता बांग्लादेश की कुल बिजली आवश्यकता का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। ढाका की यह समिति उन बिजली सौदों की जांच कर रही है, जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गए थे। अगस्त 2024 में हुए एक विद्रोह के बाद शेख हसीना सरकार को सत्ता से हटा दिया गया था। सरकार बदलने के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में भी तनाव देखा जा रहा है। ऐसे में अडानी समूह के साथ हुए इस बिजली समझौते को लेकर उठे सवालों को दोनों देशों के संबंधों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

## सुनेत्रा पवार बनेंगी महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम, आज शाम ले सकती हैं शपथ, NCP सूत्र का दावा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद पर अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार काबिज हो सकती हैं। एनसीपी सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है। बताया गया है कि यह फैसला अजित पवार की अचानक मृत्यु के बाद लिया गया है। इस बीच एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की खबरें भी तेज हो गई हैं। कुछ लोग इसे अजित पवार की आखिरी इच्छा बता रहे हैं।

**सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम का पद स्वीकारा**

एनसीपी सूत्रों की मानें तो अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उप मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने का अनुरोध स्वीकार कर लिया है। ऐसे में अब शनिवार को एनसीपी विधायक दल की बैठक होगी। इसमें सुनेत्रा पवार को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद सुनेत्रा पवार शनिवार शाम पांच बजे उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकती हैं।

**एनसीपी विधायक दल के नेता का चुनाव कब?**

इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के एनसीपी विधायक दल की नई नेता बनने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इस महत्वपूर्ण पद को भरने से पहले परिवार की सहमति ली जाएगी। हालांकि एनसीपी सूत्रों ने बताया है कि सुनेत्रा पवार ने इस पद के लिए अपनी मंजूरी दे दी है।

**प्रफुल्ल पटेल ने क्या बताया?**

पटेल ने कहा कि प्राथमिकता उपमुख्यमंत्री और एनसीपी विधायक दल के नेता के खाली पदों को भरना है, जो अजित पवार के निधन के समय उनके पास थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष संगठनात्मक पद (दिवंगत नेता पार्टी अध्यक्ष भी थे) पर नियुक्ति करना फिलहाल कोई मुद्दा नहीं है। पटेल ने पत्रकारों से कहा कि पार्टी नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें बताया कि सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन का एक प्रमुख घटक दल एनसीपी अपने नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

## महाराष्ट्र के अकोला में खेला, मेयर-डिप्टी मेयर पर BJP का कब्जा, उद्धव ठाकरे की कैंडिडेट की हार

**नागपुरः** महाराष्ट्र के अकोला महानगरपालिका में बीजेपी ने मेयर और डिप्टी मेयर दोनों पदों पर जीत हासिल की है। शुक्रवार को हुए चुनाव में बीजेपी की शारदा खेडकर को मेयर और अमोल गोगे को डिप्टी मेयर चुना गया। चुनाव में शारदा खेडकर को अपने विरोधी के 32 वोटों के मुकाबले 45 वोट मिले। बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी गुटों सहित पार्टियों के गठबंधन अकोला शहर सुधार अघाड़ी ने खेड़कर की जीत का समर्थन किया। शिवसेना (यूबीटी) की सुरेखा काले को मैदान में उतारा था।

**बीजेपी ने मार ली बाजी**

अकोला महानगरपालिका के मेयर के चुनाव में बीजेपी को अन्य दलों के पार्षदों का समर्थन मिला। मेयर पद की कैंडिडेट शारदा खेडकर को बीजेपी के 38, एनसीपी (SP) के तीन, एनसीपी अजित और शिवसेना के एक-एक के साथ दो निर्दलीय पार्षदों ने अपना समर्थन दिया। एक अधिकारी ने बताया कि निर्दलीय पार्षद आशीष पवित्रकर ने बीजेपी के खिलाफ बगावत करके कांग्रेस ज्वाइन कर ली थी, लेकिन उन्होंने आखिरी समय में खेडकर को समर्थन दिया, जबकि AIMIM के 3 पार्षद तटस्थ रहे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पार्षदों ने कहा कि उन्होंने शहर के विकास के लिए बीजेपी को सपोर्ट किया। ऐसे में शारदा खेडकर मेयर बन गईं।

**कांग्रेस के कैंडिडेट भी हारे**

मेयर चुनावों में कांग्रेस के आजाद खान अलियार खान को 32 वोट मिले। वह डिप्टी मेयर के पद के लिए गोगे से हार गए। 80 सदस्यों वाली अकोला नगर पालिका में, बीजेपी ने 38 सीटें जीतीं, कांग्रेस ने 21, शिवसेना (UBT) ने छह, वंचित बहुजन अघाड़ी (VBA) ने पांच, AIMIM और NCP (SP) ने तीन-तीन, शिवसेना और NCP ने एक-एक सीट जीती थी। अकोला महानगरपालिका में कुल 20 वार्ड हैं। महाराष्ट्र में मुंबई बीएमसी समेत 29 महानगरपालिका के चुनाव नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए गए थे।

## शिंदे सेना को बड़ा झटका! रायगढ़ में 7 नगरसेवक अयोग्य घोषित, जिलाधिकारी का आदेश

**रायगढ़ ।** म्हसला नगर पंचायत में शिंदे सेना को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए 7 नगरसेवकों को दल बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रायगढ़ के जिलाधिकारी किशन जावले ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

**मामला क्या है?**

म्हसला नगर पंचायत चुनाव के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस के 7 नगरसेवक मंत्री भरत गोगावले की मौजूदगी में शिंदे सेना में शामिल हुए थे। इस घटनाक्रम से तालुका स्तर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के अस्तित्व पर सवाल खड़े हो गए थे।

इस दलबदल की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई की मांग की थी। गुटनेता संजय कर्णिक के माध्यम से रायगढ़ जिलाधिकारी के पास अयोग्यता की याचिका दाखिल की गई थी।

**जिलाधिकारी का फैसला**

मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद जिलाधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि संबंधित 7 नगरसेवकों ने दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन किया है, जिसके चलते उनका नगरसेवक पद रद्द किया जाता है। इस फैसले से म्हसला नगर पंचायत की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है।

**अयोग्य घोषित नगरसेवक**

नगराध्यक्ष फरहिन अजीज बशरत, कमल रविंद्र जाधव, मेहजबिन नदीन दलवी, असलम असलम कादिरी, सुमैया क़ौसम आमदानी, क़ादिर म्हसलाई,शाहीद जंजिरकर

**तटकरे-गोगावले टकराव फिर चर्चा में**

रायगढ़ जिले में शिंदे सेना और अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस के बीच संघर्ष लगातार चर्चा का विषय रहा है। मंत्री भरत गोगावले और राष्ट्रवादी नेता सुनील तटकरे के बीच का राजनीतिक विवाद सर्वविदित है। म्हसला में हुए इस घटनाक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में नगराध्यक्ष समेत 7 नगरसेवकों ने शिंदे सेना में प्रवेश किया था। मंत्री गोगावले स्वयं नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे और नगराध्यक्ष फरहिन बशरत को उनकी कुर्सी पर बैठाया था। इस दौरान अजित पवार गुट के कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर जोरदार नारेबाजी की थी।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

# संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

## कर्ज चुकाने के लिए कर्ज ले रही हैं, केंद्र एवं राज्य सरकारें?

भारत की अर्थव्यवस्था आज जिस रास्ते पर बढ़ रही है, वहां एक सवाल बार-बार उठता है, क्या केंद्र और राज्य सरकारें अब कर्ज चुकाने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हैं? वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर करीब 27 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। इसमें लगभग 14 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार और 12-13 लाख करोड़ रुपये राज्य सरकारों ने कर्ज लिया है। आने वाले वित्त वर्ष 2026-27 में यह आंकड़ा बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह स्थिति केवल उधारी बढ़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के वित्तीय संतुलन, राजकोषीय घाटा की ओर वास्तविकता को दर्शा रही है। सरकारें मुख्य रूप से बॉन्ड जारी करके हर माह बाजार से पैसा जुटा रही हैं। कर्ज में लिए हुए पैसे से सरकारी योजनाओं में दी जाने वाली राशि एवं राज्य सरकारों के खर्च को पूरा किया जा रहा है। समस्या यह है, सरकारी बॉन्ड पर ब्याजदर यानी बॉन्ड यील्ड 6.6 से 6.7 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। जैसे-जैसे ब्याजदर बढ़ती है, सरकारों पर ब्याज भुगतान का बोझ भी बढ़ता जाता है। पिछले वर्षों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा जो कर्ज लिया गया है, उसको वापस लौटाने में केंद्र एवं राज्य सरकारों को हर साल काफी बड़ी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है। आज की स्थिति यह है, केंद्र सरकार अपने कुल राजस्व का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा कर्ज के ब्याज और भुगतान में खर्च कर रही है। राज्य सरकारों की हालत इन दिनों बेहद नाजुक हैं। कई राज्यों में टैक्स से होने वाली आय का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में समाप्त हो रहा है। विकास योजनाओं या सामाजिक कार्यक्रमों के लिए उनके पास बहुत ही सीमित संसाधन बचते हैं। नतीजतन, राज्यों को फिर बॉन्ड जारी करके या वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेकर किसी तरह से भुगतान पूरे करने पड़ रहे हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब केंद्र सरकार योजनाओं का वित्तीय भार राज्यों के ऊपर डाल देती है। मनरेगा जैसी योजनाओं में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ने से उन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा। संसाधनों की कमी से जूझ रहे राज्य इस बोझ को उठाने के लिए कर्ज पर कर्ज लेते चले जा रहे हैं। जिसके कारण राज्यों की अर्थव्यवस्था पूरी तरीके से गड़बड़ाती जा रही है। भारतीय रिज़र्व बैंक पर भी दबाव साल दर साल बढ़ता जा रहा है। आने वाले समय में लाखों करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड भुगतान के लिए मैच्योर हो रहे हैं। इनका भुगतान करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों को नया कर्ज लेना पड़ रहा है। राज्य सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ता चला जा रहा है। यह पूरा परिदृश्य खतरनाक रूप से आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। कर्ज लेकर कर्ज चुकाने की इस प्रवृत्ति पर समय रहते रोक नहीं लगी, तो अगले कुछ ही वर्षों में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति गड़बड़ाते देर नहीं लगेगी। इसका सबसे बड़ा बोझ आने वाली पीढ़ियों को भी उठाना पड़ेगा। अब जरूरत है, सरकारें उधारी पर निर्भर विकास मॉडल से बाहर निकलकर, राजस्व बढ़ाने, राजस्व के अनुसार खर्चों पर नियंत्रण, अनुशासन और पारदर्शी वित्तीय नीति पर गंभीरता से काम करना होगा। कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति को रोकना होगा। सरकार को अपने सभी विभागों में विकास कार्यों एवं खर्च में निगरानी बढ़ानी होगी। विकास कार्यों एवं सरकारी खर्चे में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करना होगा।

# डिंपल मेहता फिर बनेंगी मीरा-भायंदर की महापौर

## ध्रुवकिशोर पाटिल को उपमहापौर पद के लिए भाजपा की मंज़ूरी

नजमुल हसन रिज़वी

**मीरा-भायंदरः मीरा-भायंदर महानगरपालिका (MBMC) में पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को महापौर और उपमहापौर पद के लिए अपने उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा कर दी है। भाजपा ने डिंपल मेहता को महापौर पद के लिए, जबकि वरिष्ठ नगरसेवक ध्रुवकिशोर पाटिल को उपमहापौर पद के लिए नामित किया है।**

**डिंपल मेहता और ध्रुवकिशोर पाटिल ने शुक्रवार को महानगरपालिका मुख्यालय में अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस संबंध में जानकारी देते हुए मीरा-भायंदर से भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा, 'पार्टी को मिले प्रचंड जनादेश और उम्मीदवारों के अनुभव को देखते हुए भाजपा ने डिंपल मेहता को महापौर और ध्रुवकिशोर पाटिल को उपमहापौर पद के लिए नामित किया है। दोनों ही नेता मीरा-भायंदर के विकास को और गति देने में सक्षम हैं।'**

**डिंपल मेहता का यह दूसरा कार्यकाल होगा। इससे पहले वे अगस्त 2017 से फरवरी 2019 तक मीरा-भायंदर की महापौर रह चुकी हैं। वे विधायक नरेंद्र मेहता की रिश्ते में भाभी लगती हैं और उनके छोटे भाई विनोद मेहता की पत्नी हैं।**

**वहीं, ध्रुवकिशोर पाटिल एक वरिष्ठ और अनुभवी नगरसेवक हैं, जो पहली बार वर्ष 2002 में निर्वाचित हुए थे। वे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से जुड़े हुए थे और पूर्व विधायक गिल्बर्ट मेंडोंसा के करीबी माने जाते थे। बाद में उन्होंने भाजपा का दामन थामा। इस बीच, विपक्षी गठबंधन मीरा-भायंदर शहर विकास आघाडी जिसमें कांग्रेस और शिवसेना (शिंदे गुट) शामिल हैं, ने भी महापौर और उपमहापौर पद के लिए अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। कांग्रेस की नगरसेविका रूबिना फिरोज़ ने महापौर पद के लिए, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) की वंदना पाटिल ने उपमहापौर पद के लिए नामांकन दाखिल किया है।**

**हालांकि, महानगरपालिका में भाजपा के भारी बहुमत को देखते हुए पार्टी की जीत लगभग तय मानी जा रही है।**

**हाल ही में संपन्न हुए महानगरपालिका चुनावों में भाजपा ने कुल 95 में से 78 सीटें जीतकर एकदलीय सत्ता स्थापित की है। कांग्रेस को 13 सीटें, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) को तीन सीटें मिली हैं। चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस और शिवसेना (शिंदे गुट) ने मिलकर मीरा-भायंदर शहर विकास आघाडी का गठन किया था। महापौर पद की यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब मराठी एकीकरण समिति द्वारा महापौर पद पर मराठी उम्मीदवार की मांग को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। डिंपल मेहता के नामांकन के बाद एक बार फिर शहर को राजस्थानी महापौर मिलने की संभावना जताई जा रही है, जिसे लेकर आने वाले दिनों में राजनीतिक प्रतिक्रियाएँ सामने आ सकती हैं।**

# एक्सपर्ट क्लासेस में दसवीं व बारहवीं कक्षा के लिए मोटिवेशनल व गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन

**धारावी मुंबईः** धारावी के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान एक्सपर्ट क्लासेस में दसवीं और बारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व एक प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण मोटिवेशनल व गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक मार्गदर्शन करना, मानसिक तनाव को कम करना तथा परीक्षाओं के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयारी को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत आवेस रज़ा की भावपूर्ण पवित्र कुरआन की तिलावत से हुई। इसके पश्चात शेख अफ़रोज़ ने हम्द-ए-बारी तआला और शेख मिस्कान ने नात-ए-रसूल अत्यंत मधुर स्वर में प्रस्तुत की, जिससे सभा का वातावरण आध्यात्मिक और नूरानी हो गया।

एक्सपर्ट क्लासेस के डायरेक्टर मोहम्मद अहमद शाह बरकाती ने स्वागत भाषण देते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और छात्रों को मेहनत, अनुशासन तथा सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी और सभी गणमान्य अतिथियों का परिचय कराया।

इस कार्यक्रम की सरपरस्ती मौलाना अबरार अहमद बरकाती ने की, जबकि कार्यक्रम के अध्यक्ष जनाब इलियास दाऊद खान (हेड मास्टर, बायकुला ईस्ट म्युनिसिपल सेकेंडरी स्कूल एवं अध्यक्ष आईटा मुंबई) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनाब नईम अहमद अंसारी (पूर्व शिक्षक, जिला परिषद सेकेंडरी स्कूल, वसई-विरार), जनाब हनीफ इस्माइल (प्रोफेसर, क़ैसर कॉलेज, बांद्रा) तथा जनाब फ़राज़ अहमद अशरफ़ी (डायरेक्टर, सक्सेस ट्यूटोरियल, माहिम) ने शिरकत की और छात्रों को अत्यंत उपयोगी व प्रेरणादायक संबोधन से नवाज़ा।

सभी वक्ताओं ने परीक्षा की तैयारी, समय प्रबंधन, प्रश्न हल करने की तकनीक और परीक्षा के डर पर काबू पाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों का हौसला बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ एवं दुआएँ दीं।

कार्यक्रम के समापन पर सभी सम्मानित अतिथियों को फूल और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में अहमद सर ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

इस सफल कार्यक्रम को साकार करने में जनाब अनवार सर, कनीज़ फ़ातिमा मिस, हबीबा मिस, कुदूसिया मिस तथा छात्र-छात्राओं का विशेष सहयोग रहा, जिसकी बदौलत यह कार्यक्रम शैक्षणिक और प्रशिक्षण की दृष्टि से अत्यंत सफल और यादगार सिद्ध हुआ

**मोहम्मद अहमद शाह बरकाती**
**(डायरेक्टर, एक्सपर्ट क्लासेस)**

Graphics Designing
Offset Printing
Visiting Cards
Wedding Cards
Digital Board
Flex & Vinyl Printing
Acrylic Vinyl Board
Online Stamp Duty
Online Registration
Online Biometric
Online Police NOC
Online Passport
& Many More Services
Shaikh Arts & Advt.
Riyaz Computerwala
961 98 36 535
720 81 31 118
D.T.P
Computerized Typing:
Urdu, Arabic, Hindi & Marathi.
Computerized Typing
हिन्दी मराठी اُردو، عربی
E/29, Grace Plaza, Opp. ALLAH Masjid, S. V. Road, Jogeshwari (West)
Email: shaikharts2015@gmail.com

SIPPIN' MADE SWEETER
SODA CENTRAL House of Mocktails
Follow Us On Instagram & Facebook
D-11,Green Park, Opp. Millat Garden Gate, Off New Link Road, Andheri West. 97300 74150

M B ®
MEN IN BLACK
GLOBAL PROTECTION SERVICES
Contact: +91 93247 65876

# 'बॉर्डर 2' देखने का अमीषा पटेल को बेसब्री है इंतजार

हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल ने 'बॉर्डर 2' को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं और खास तौर पर तारा सिंह जैसे आइकॉनिक किरदार की झलक देखकर उन्हें काफी रोमांच महसूस हो रहा है। अमीषा ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी समेत सभी कलाकारों ने शानदार काम किया होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह फिल्म और उसके गानों को बड़े पर्दे पर महसूस करने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। फिल्म की तुलना को लेकर अमीषा पटेल ने साफ राय रखी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बॉर्डर 2' नहीं देखी है, लेकिन 1997 की 'बॉर्डर' जरूर देखी है। इसके बावजूद जिस तरह से दर्शक इस नई फिल्म को पसंद कर रहे हैं, उससे साफ है कि पूरी टीम ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने 'गदर' और 'गदर 2' का उदाहरण देते हुए कहा कि शुरुआत में दोनों फिल्मों की तुलना हुई थी, लेकिन 'गदर 2' की सफलता के बाद सभी ने माना कि वह अपने आप में एक अलग और शानदार फिल्म है। अमीषा के मुताबिक फिल्मों की तुलना करना सही नहीं होता, क्योंकि इससे गलत धारणाएं बनती हैं और हर फिल्म को अपनी पहचान के साथ देखा जाना चाहिए। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' में नई कहानियों और नए चेहरों को शामिल किया गया है। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भारतीय सेना के जवानों के किरदार में नज़र आ रहे हैं, जबकि मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रही हैं। 23 जनवरी को रिलीज़ हुई इस फिल्म के गाने भी दर्शकों के बीच खासे लोकप्रिय हो रहे हैं और उन्हें नॉस्टेल्जिया का एहसास दिला रहे हैं। 'बॉर्डर 2' को गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। बता दें कि सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के बाद फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है और दर्शकों का दिल जीतने में भी सफल साबित हो रही है। 1997 में आई सुपरहिट और यादगार फिल्म 'बॉर्डर' की इस सीक्वल ने न सिर्फ पुरानी यादों को ताज़ा किया है, बल्कि नई पीढ़ी के दर्शकों को भी देशभक्ति के जज़्बे से जोड़ दिया है। आम दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग तक, हर तरफ फिल्म की चर्चा और तारीफ हो रही है।

# डिकॉक के शतक से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीजी को सात विकेट से हराया

क्विंटन डिकॉक की शतकीय पारी की सहायता से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 221 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीक ने डिकॉक की आक्रामक पारी की सहायता से 17.3 ओवर में ही 225 रन बनाकर हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस जीत के साथ ही 220 से ज्यादा रनों का सबसे तेजी से पीछा करने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इससे पहले कोई भी टीम इतने कम ओवरों में इतना स्कोर नहीं बना पायी है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये दूसरी बार है जब दक्षिण अफ्रीका की टीम इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर पायी है। साल 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ 259 रन के लक्ष्य का पीछा कर जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीका की इस जीत के हीरो डिकॉक रहे। डिकॉक ने 49 गेंदों में 10 छक्के और 6 चौके लगाकर 115 रन बनाये। डिकॉक ने पारी की शुरुआत के साथ ही हमले शुरु कर दिये। उनका रेयान रिकेल्टन ने भी नाबाद 77 रन बनाकर अच्छा साथ दिया। उन्होंने केवल 36 गेंदों में तीन छक्के और 9 चौके लगाकर 77 रन बनाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिकॉक और रिकेल्टन के बीच 162 रन की साझेदारी हुई। ये इस पारी में किसी भी विकेट के लिए दक्षिण अफ्रीका की ओर से चौथी सबसे बड़ी पार्टनरशिप का रिकॉर्ड है. डिकॉक का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा शतक है! मैच के बाद डिकॉक ने बताया कि 44 गेंदों में यह शतक उन्होंने उधार लिए बल्ले से बनाया।

# फडणवीस सरकार के नेतृत्व में नागपुर पुलिस में डिजिटल क्रांति

## अपराध जांच हुई तेज और स्मार्ट

**नागपुर।** माइक्रोसॉफ्ट और महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से शुरू की गई 'नवीन युग की पुलिसिंग' की पहल अब नागपुर में सात महीने पूरे कर चुकी है। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुलिस अब पुराने समय में घंटों या दिनों में होने वाले काम मिनटों में कर पा रही है। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और गृहमंत्री के मार्गदर्शन में नागपुर जिले के पुलिस विभाग और तकनीकी कंपनी Marvel के नेतृत्व में यह पहल लागू की गई। इसके तहत पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज की जांच, नंबर प्लेट पहचान और डिजिटल तरीके से मामले की जांच करने में सक्षम है। पहले जहां पुलिसकर्मियों को आरोपी की पहचान के लिए घंटों फुटेज देखना पड़ता था, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) अल्गोरिदम कुछ मिनटों में पहचान कर देता है। AI तकनीक के जरिए अब अपराध स्थल से लेकर कोर्ट तक साक्ष्य और मुद्देमाल का पूरा ट्रैक डिजिटल और सुरक्षित तरीके से रखा जाता है। इसमें ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके चेन ऑफ कस्टडी की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है, जिससे किसी भी चरण में डेटा में हस्तक्षेप या शक की गुंजाइश नहीं रहती। पुलिस अब ओपन सोर्स इंटेलिजेंस के जरिए सोशल मीडिया और

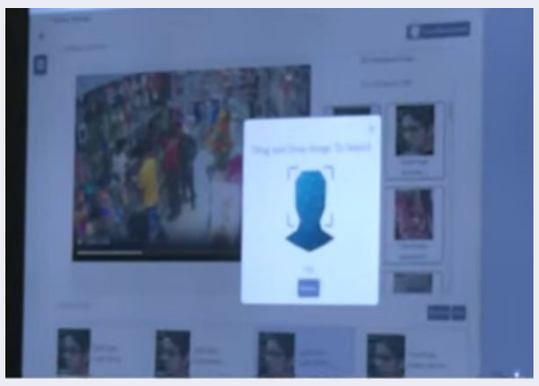

सार्वजनिक डेटा से आरोपी के लोकेशन और गतिविधियों का भी पता लगा सकती है। Marvel कंपनी के प्लेटफॉर्म और AI तकनीक के माध्यम से न केवल अपराध जांच, बल्कि एफआईआर ड्राफ्टिंग, साक्ष्य प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक काम भी आसान और तेज हो गए हैं। इस पहल से पुलिस विभाग के दैनिक कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता आई है। अधिकारियों का कहना है कि यह पहल नवीन युग की पुलिसिंग का प्रतीक है, जिससे पुलिस तेजी, डिजिटल दक्षता और सटीकता के साथ अपराध नियंत्रण में अधिक प्रभावी बन रही है। यह तकनीक अब पूरे महाराष्ट्र में उपलब्ध कराई जा रही है और अन्य जिलों में भी इसे लागू किया जाएगा।

## फरवरी-मार्च में बंद रहेगा घाघराघाट संजय सेतु; लखनऊ-बहराइच सीधा संपर्क टूटने की आशंका, 50 हजार से अधिक यात्री रोज होंगे प्रभावित

**संवाददाता फरियाद अली**

**बहराइच।** लखनऊ-गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित घाघराघाट संजय सेतु एक बार फिर आमजन की परेशानी बढ़ाने जा रहा है। पिछले दो वर्षों से लगातार मरम्मत और तकनीकी खामियों के कारण चर्चा में रहे इस पुल पर फरवरी से मार्च तक बड़े पैमाने पर रिपेयर कार्य प्रस्तावित है। मरम्मत के दौरान छोटे-बड़े सभी वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद किया जा सकता है।

एनएच सूत्रों के अनुसार फरवरी के दूसरे सप्ताह से मरम्मत कार्य शुरू होने की संभावना है। इसके लिए बहराइच और बाराबंकी के जिलाधिकारियों से अनुमति मांगी गई है। अनुमति मिलते ही पुल पर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा।

**50 हजार से अधिक यात्री रोज होंगे प्रभावितः** पुल बंद होने की स्थिति में राजधानी लखनऊ से बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती सहित आसपास के जनपदों का सीधा संपर्क टूट जाएगा। अनुमान है कि प्रतिदिन करीब 50 हजार से अधिक यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वैकल्पिक मार्ग के रूप में यात्रियों को जरवल रोड से करीब 60 किलोमीटर दूर चहलारी घाट हाईवे या अयोध्या-बाराबंकी मार्ग से लखनऊ जाना पड़ेगा। इससे समय के साथ-साथ ईंधन और किराए का खर्च भी काफी बढ़ जाएगा।

**रेल मार्ग भी बनेगा बाधाः** स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि फरवरी-मार्च में गोंडा-बुढ़वल रेल सेक्शन पर तीसरी लाइन से संबंधित कार्य प्रस्तावित है। इस दौरान कई ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि अधिकांश ट्रेनों का संचालन अयोध्या-बाराबंकी मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। ऐसे में यात्रियों को सड़क और रेल–दोनों स्तर पर परेशानी झेलनी पड़ेगी।

## मीरा रोड मेट्रो कार्य में फिर उजागर हुई सुरक्षा में लापरवाही; यात्रियों पर गिरी वेल्डिंग की चिंगारियाँ

**नजमुल हसन रिज़वी**

**मीरा भायंदरः** मीरा रोड में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य के दौरान एक बार फिर गंभीर सुरक्षा लापरवाही सामने आई है। काशीगांव मेट्रो स्टेशन के पास वेल्डिंग के दौरान निकलने वाली आग की चिंगारियाँ सीधे सड़क पर गिरती दिखाई दीं, जहाँ उसी समय पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही जारी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएँ जताई जा रही हैं।

काशीगांव मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और आने वाले दिनों में इसके यात्रियों के लिए खुलने की संभावना है। स्टेशन के शुरू होते ही काशीगांव से दहिसर के बीच मेट्रो सेवा संचालित की जाएगी। लोकार्पण से पहले शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके चलते ठेकेदार द्वारा अतिरिक्त मजदूर तैनात किए गए हैं। हालाँकि, समय सीमा पूरी करने की जल्दबाजी में सुरक्षा मानकों की अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्टेशन पर चल रहे वेल्डिंग कार्य के दौरान निकलने वाली गर्म चिंगारियाँ नीचे सड़क पर गिरती रहीं, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना होने की आशंका जताई जा रही है।एक सतर्क नागरिक ने इस घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किया और मेट्रो ठेकेदार की लापरवाही पर कड़ा ऐतराज जताया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी मीरा-भायंदर क्षेत्र में मेट्रो निर्माण के दौरान सुरक्षा में चूक के कारण मजदूरों की जान जाने की घटनाएँ हो चुकी हैं, जिसके बाद दोषी ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की माँग तेज हुई थी। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'घटना की विस्तृत जानकारी ली जा रही है। यदि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया, तो संबंधित ठेकेदार से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'

उल्लेखनीय है कि काशीगांव मेट्रो स्टेशन पहले भी

विवादों में रहा है। स्टेशन की सीढ़ियाँ निजी जमीन में उतरने को लेकर मीरा-भायंदर से भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने आपत्ति जताई थी और जमीन मालिकों को उचित मुआवजा देने की मांग की थी।उस समय नरेंद्र मेहता ने कहा था, 'जनहित की परियोजनाएँ नागरिकों के अधिकारों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उचित मुआवजा दिया जाना अनिवार्य है।'

उनकी आपत्ति के बाद सीढ़ी निर्माण का कार्य कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, जिससे मेट्रो परियोजना में विलंब हुआ। बाद में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हस्तक्षेप के बाद कार्य दोबारा शुरू किया गया, जिसकी पुष्टि MMRDA अधिकारियों ने की है।फिलहाल काशीगांव मेट्रो स्टेशन का निर्माण कार्य तेज़ी से प्रगति पर है और प्राधिकरण का दावा है कि सभी लंबित मुद्दों का समाधान कर लिया गया है। हालांकि, हालिया सुरक्षा चूक ने एक बार फिर ठेकेदारों की जवाबदेही और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर ऐसे समय में जब मेट्रो परियोजना अपने उद्घाटन के करीब है।

## सांताक्रूज़ वेस्ट में स्वर्गीय अजीतदादा पवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

### हाजी इब्राहिम शेख (भाईजान) के नेतृत्व में उमड़ा जनसैलाब

**मुंबई** - स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री अजीतदादा पवार जी के असामयिक निधन पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महाराष्ट्र प्रदेश के उपाध्यक्ष हाजी इब्राहिम शेख (भाईजान) की ओर से सांताक्रूज़ वेस्ट मार्केट में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उपस्थित होकर स्वर्गीय अजीतदादा पवार को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम की शुरुआत मौन धारण कर दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ की गई। उपस्थित जनसमूह ने अजीतदादा पवार के राजनीतिक योगदान, जनसेवा और नेतृत्व क्षमता को स्मरण करते हुए उन्हें एक सशक्त और दूरदर्शी नेता बताया। वातावरण गमगीन होने के साथ-साथ सम्मान और कृतज्ञता से भरा रहा। इस अवसर पर फहीम इब्राहिम शेख (भाईजान) विजय अबनव, एडिटर जफरसिद्दीकी और कई वक्ताओ ने श्रध्दांजली पर अपने विचार प्रकट किए अजीतदादा पवार का जाना महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। अजीतदादा सदैव आम जनता, किसानों और वंचित वर्गों की आवाज़ बनकर काम करते रहे, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को नमन किया तथा उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अनुशासन, एकजुटता और भावनात्मक सहभागिता देखने को मिली। फहीम इब्राहिम शेख ने कार्यक्रम में शामिल सभी नागरिकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की यह उपस्थिति अजीतदादा पवार के प्रति गहरे सम्मान और प्रेम का प्रतीक है। ईस वक्त मौजुदगी मे फहीम ईब्राहीम शेख, विजय अबनव , एडिटर जफरसिद्दीकी ईरशाद काजी, ईमरान शेख, उसमान खान लाला, अकरम मर्चंट, नासिर खान, रफीक जरीवाला, अनिता सिंग उर्फ पिंकी, मुमताज काजी एनसीपी के सैकडो पदाधिकारी कर्यकर्ता मौजुद थे.

## मीरा रोड में घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा गया जांच अधिकारी

**नजमुल हसन रिज़वी**

**मीरा रोडः** भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ठाणे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने 29 जनवरी को मीरा रोड स्थित सहकारी संस्थाओं के उपनिबंधक कार्यालय से जुड़े एक जांच अधिकारी को ₹1 लाख की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक सहकारी आवासीय संस्था की पुनर्लेखा परीक्षण (री-ऑडिट) रिपोर्ट जारी करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अविनाश बबन मोहिते (43) के रूप में हुई है, जो पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उपनिबंधक सहकारी संस्था कार्यालय में जांच अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। ट्रैप कार्रवाई के बाद उनके खिलाफ मीरा रोड पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता मीरा रोड पूर्व के रामदेव पार्क क्षेत्र का निवासी है और एक स्थानीय सहकारी हाउसिंग सोसायटी का प्रतिनिधित्व करता है। शिकायतकर्ता की सोसायटी के वर्ष 2021-22 के पुनर्लेखा परीक्षण की रिपोर्ट मंजूर करने के लिए आरोपी ने शुरुआत में ₹6 लाख की मांग की थी। बातचीत के बाद सौदा ₹3.5 लाख में तय हुआ, जिसमें से ₹1 लाख पहली किश्त के रूप में लेने पर सहमति बनी थी। शिकायत मिलने के बाद ठाणे एसीबी ने मीरा रोड पूर्व स्थित चंद्रेश एकॉर्ड इमारत के पास जाल बिछाया। ट्रैप कार्रवाई के दौरान दोपहर करीब 1 बजे, आरोपी अविनाश मोहिते को स्वतंत्र पंचों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से ₹1 लाख की रिश्वत स्वीकार करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई की पुष्टि करते हुए एसीबी के पुलिस निरीक्षक विजय कावले ने कहा, 'आरोपी ने एक सहकारी संस्था की री-ऑडिट रिपोर्ट से जुड़े सरकारी कार्य के लिए रिश्वत की मांग की और उसे स्वीकार किया। सुनियोजित ट्रैप के दौरान उसे रंगेहाथ पकड़ा गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।' यह मामला मीरा-भायंदर क्षेत्र में सरकारी कामकाज के दौरान व्याप्त भ्रष्टाचार की एक और तस्वीर सामने लाता है, जहाँ आवश्यक दस्तावेज पूरे होने के बावजूद नागरिकों से रिश्वत मांगे जाने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। इस प्रकरण की आगे की जांच पुलिस निरीक्षक सुनील करोटे द्वारा की जा रही है।

# ठाकरे बंधुओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी युवक को पड़ी भारी

## नालासोपारा में मनसे-शिवसेना कार्यकर्ताओं ने की पिटाई

**नजमुल हसन रिज़वी**

**वसईः** सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा और राजनीतिक नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियाँ करना नालासोपारा के एक युवक को भारी

पड़ गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के कार्यकर्ताओं ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट और वीडियो बनाने वाले युवक की कथित तौर पर पिटाई कर उसे सड़कों पर घुमाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पीड़ित युवक की पहचान सूरज महेंद्र शिर्के के रूप में हुई है, जो नालासोपारा के आचोले इलाके का निवासी है। जानकारी के अनुसार, सूरज पिछले कुछ दिनों से फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकतरफा, अश्लील और अपमानजनक भाषा में रील्स और वीडियो पोस्ट कर रहा था, जिससे दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में भारी नाराज़गी थी।

गुरुवार रात कार्यकर्ताओं को सूरज के घर का पता मिलने के बाद वे आचोले स्थित उसके निवास पर पहुंचे। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने उसे घर से बाहर खींचकर उसकी जमकर पिटाई की और अर्धनग्न अवस्था में सड़कों पर घुमाया। बाद में उसे तुलिंज पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना के दौरान मौजूद लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो अब सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हो चुके हैं, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया था।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मनसे कार्यकर्ता किरण नकासे और शिवसेना (उद्धव गुट) कार्यकर्ता रोहन चव्हाण ने कहा, 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हमारे आदर्शों और नेताओं के खिलाफ गाली-गलौज बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कार्रवाई केवल सूरज शिर्के के लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए चेतावनी है जो सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के लिए मर्यादा लांघते हैं।' वहीं, युवक की बहन साधना शिर्के ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा, 'अगर मेरे भाई ने गलती की थी, तो उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए थी। इस तरह मारपीट करना और अपमानित करना गलत है।' पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूरज शिर्के ने अपने कृत्य को स्वीकार करते हुए माफी मांगी है। पुलिस वायरल वीडियो और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है। इस बीच, मनसे के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से भी प्रतिक्रिया दी गई, जिसमें कहा गया कि आलोचना एक सीमा तक स्वीकार्य है, लेकिन केवल 'व्यूज़' और लोकप्रियता के लिए बार-बार अश्लील और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह घटना एक बार फिर सोशल मीडिया के दुरुपयोग, अभिव्यक्ति की मर्यादा और कानून से इतर की जा रही कार्रवाइयों पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

# अकोला महापालिका में भाजपा का दबदबा कायम, शहर सुधार आघाड़ी का नेतृत्व सशक्त

## शारदा खेडकर महापौर और अमोल गोगे बने उपमहापौर

**संवाददाता/ राहुल खाड़े**

**अकोला।** महाराष्ट्र की महापालिकाओं में से अकोला महापालिका को लंबे समय के बाद आखिरकार नया महापौर और उपमहापौर मिल गया है। भाजपा के नेतृत्व वाली शहर

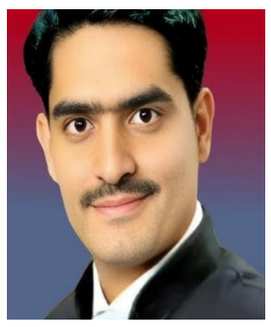

सुधार आघाड़ी ने अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए दोनों पदों पर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। महापौर पद के चुनाव में भाजपा उम्मीदवार शारदा खेडकर को 45 मत मिले, जबकि उद्धव सेना की सुरेखा काले को केवल 32 मतों पर संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में तीन नगरसेवक तटस्थ रहे, जबकि निर्दलीय नगरसेवक आशीष पवित्रकार ने सीधे भाजपा के उम्मीदवारों को मतदान किया, जिससे विरोधी दलों का दावा किया जा रहा आंकड़ा 36 का घटकर 32 रह गया और सत्ता का पलड़ा निर्णायक रूप से भाजपा की ओर झुक गया। महापौर चुनाव के तुरंत बाद हुए उपमहापौर पद के चुनाव में भी यही प्रवृत्ति कायम रही। शहर सुधार आघाड़ी के उम्मीदवार अमोल गोगे को 45 मत मिले और वे उपमहापौर चुने गए, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार आजाद खान (अलीयार खान) को 32 मत ही प्राप्त हुए। इस तरह महापालिका में भाजपा की पकड़ और मजबूत हुई। विशेष रूप से, चुनाव से पहले विरोधी दलों द्वारा कई स्तरों पर सक्रिय संपर्क और गठजोड़ की कोशिशें की जा रही थीं। लेकिन एमआईएम के तटस्थ रहने और निर्दलीय नगरसेवक के भाजपा को समर्थन देने के कारण विरोधी दलों की सभी योजना विफल रही। परिणामस्वरूप, शहर सुधार आघाड़ी का बहुमत 45 पर स्थिर रहा और भाजपा के उम्मीदवार स्पष्ट बहुमत के साथ महापालिका के सर्वोच्च पदों पर काबिज हुए। अब शारदा खेडकर और अमोल गोगे के नेतृत्व में महापालिका के फैसले और नीति-निर्माण पर शहर सुधार आघाड़ी का प्रभाव नजर आने की संभावना है।

# पुणे पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदलः 25 निरीक्षकों के तबादले

## क्राइम ब्रांच के 6 अधिकारियों को थानों की मिली जिम्मेदारी

**मुन्ना मुजावर**

**पुणे -** शहर में 25 पुलिस निरीक्षकों के आंतरिक तबादलों के आदेश पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने जारी किए हैं। इनमें अपराध शाखा के छह पुलिस निरीक्षकों को विभिन्न पुलिस थानों में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक (एसपीआई) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तबादला किए गए पुलिस निरीक्षकों का विवरण इस प्रकार है– जयंत राजुरकर (सहकारनगर पुलिस थाना से वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, समर्थ पुलिस थाना), राघवेंद्रसिंह क्षीरसागर (पुलिस कल्याण शाखा से उत्तमनगर पुलिस थाना), विनय पाटणकर (कंट्रोल रूम से वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, सिंहगड रोड पुलिस थाना), मारुति पाटील (यातायात शाखा से वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, येवलेवाड़ी पुलिस थाना), संतोष खेतमालस (आर्थिक अपराध शाखा से लष्कर पुलिस थाना), नंदकुमार गायकवाड़ (पर्वती पुलिस थाना से वाघोली पुलिस थाना), मनीषा पाटील (मार्केटयार्ड पुलिस थाना से लोहेगांव पुलिस थाना), विश्वजीत जगताप (लोहेगांव पुलिस थाना से मार्केटयार्ड पुलिस थाना),

राजेंद्र सहाणे (यातायात शाखा से पर्वती पुलिस थाना)।

इसके अलावा–

महेश बोलकोटगी (शिवाजीनगर से वारजे मालवाड़ी),



उमेश गित्ते (समर्थ से लक्ष्मीनगर), मोहन खंदारे (उत्तमनगर से आर्थिक अपराध शाखा), दिलीप दाईंगडे (सिंहगड रोड से अपराध शाखा), अमर काळंगे (येवलेवाड़ी से शिवाजीनगर), युवराज हांडे (वाघोली से अपराध शाखा), विश्वजीत काईंगडे (वारजे मालवाड़ी से खंडणी विरोधी पथक), माया देवरे (अपराध शाखा से यातायात शाखा), मनोजकुमार लोंढे (अपराध शाखा से सहकारनगर), नीलेश बडाख (वारजे मालवाड़ी से मुंढवा), पल्लवी मेहेर (येरवडा से वाघोली), नितीन भोयर (सिंहगड रोड से विशेष शाखा), जितेंद्र कदम (अपराध शाखा से कल्याण शाखा), सुनीता नवले (मार्केटयार्ड से येवलेवाड़ी), धनंजय पिंगळे (शिवाजीनगर से यातायात शाखा), गिरीश दिघावकर (लष्कर से शिवाजीनगर) का तबादला किया गया है।

**अपराध शाखा में आंतरिक बदलाव इस प्रकार हैं–**

अजित जाधव (यूनिट-1), अश्विनी जगताप (यूनिट-2), प्रशांत अन्नछत्रे (यूनिट-3), कांचन जाधव (यूनिट-4), संदीपान पवार (यूनिट-5), सुदर्शन गायकवाड़ (यूनिट-6), संतोष सोनवणे (यूनिट-7), वाहिद पठाण (नशीले पदार्थ विरोधी पथक-1), पंडित रेजितवाड (नशीले पदार्थ विरोधी पथक-2), राम राजमाने (खंडणी विरोधी पथक-2), वर्षा देशमुख (डकैती व वाहन चोरी विरोधी पथक-1), दत्ताराम बागवे (डकैती व वाहन चोरी विरोधी पथक-2), चंद्रकांत बेदरे (प्रशासन), छगन कापसे (एएचटीयू), आशालता खापरे (भरोसा सेल)।

## पिस्टल और कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

**मुन्ना मुजावर**

**पुणे -** पुलिस ने बिना लाइसेंस के देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस ले जाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मंगलवार (27 जनवरी) रात इंदौरी बाईपास पर की गई।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम सनी सुरेश शिंदे (33, कन्हेवाड़ी, खेड़) और अभिषेक अशोक येवले (कन्हेवाड़ी, खेड़) हैं। पुलिस कांस्टेबल वसीम शेख ने इस मामले में तलेगांव MIDC पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपियों के पास पिस्टल है। इसके अनुसार, जाल बिछाकर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 30 हजार रुपये की पिस्टल, 1 हजार रुपये का जिंदा कारतूस और 6.5 लाख रुपये की मोटर समेत कुल 6 लाख 81 हजार रुपये का सामान जब्त किया गया है। तलेगांव MIDC पुलिस जांच कर रही है।

## ड्रग्स तस्करी पर करारा प्रहारः चिंचवड से 15 लाख का मेफेड्रोन बरामद, तीन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने चिंचवड़ इलाके में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 लाख 12 हजार रुपये की मेफेड्रोन (MD) ज़ब्त की है। यह कार्रवाई मंगलवार (27 जनवरी) रात बिजलीनगर चौक इलाके में की गई।पुलिस कांस्टेबल गोविंद डोके ने इस मामले में चिंचवड़ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने किशन सतनराम देवासी (25, बिजलीनगर), मेकाराम उर्फ शाम नारायणराम देवासी (26, बिजलीनगर) और पूरन चौथाराम देवासी (24, कटराज, पुणे) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिजलीनगर इलाके में मेफेड्रोन बेचने आ रहे हैं। पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों को गिरफ्तार किया तो उनके पास से 142 ग्राम 230 ु ड्रग्स बरामद हुई। आगे की जांच में पता चला कि वे यह माल कटराज के पूरन देवासी से बेचने के लिए लाए थे। पुलिस ने ड्रग्स के साथ एक टू-व्हीलर और दो मोबाइल फोन ज़ब्त किए हैं। चिंचवड़ पुलिस जांच कर रही है।

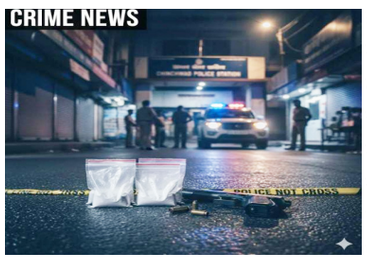




## पुणे दहला! युवक को सड़क पर रोककर सिर पर मारी फरशी, दरिंदगी की हदें की पार

मुन्ना मुजावर

पिंपरीः औद्योगिक शहर के भोसारी इलाके में एक पुराना एक चौंकाने वाली घटना घटी है जिसमें झगड़े का फायदा उठाकर एक युवक की हत्या कर दी गई। यह घटना मंगलवार (27 तारीख) की रात 'पंचाल अस्पताल' के पास हुई। भोसारी पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात को पीड़ित सड़क पर चल रहा था तभी आरोपियों ने उसे रोक लिया। कुछ दिन पहले हुए झगड़े से क्रोधित होकर आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि एक आरोपी ने पीड़ित के माथे और हाथ पर सड़क के सीमेंट के फर्श पर सीधा प्रहार किया। वहीं दूसरे ने लोहे की छड़ से पीड़ित पर वार किया जिससे उसके हाथ-पैर टूट गए।

हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और खून से लथपथ पड़ा था। इस मामले में पुलिस ने गणेश अंत (उम्र 19), शिलराजवी हाटोले उर्फ मोन्या (20), विशाल कांबले (21) और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। यह घटना एक रिहायशी इलाके में और अस्पताल के पास घटी, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

न सिर्फ हथियारों से, बल्कि अन्य आरोपियों ने पीड़ित को जमीन पर गिराकर बेरहमी से लात मारी। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों का इरादा उसकी जान लेने का था। भोसारी पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और शहर में गिरोहवार या आपराधिक मानसिकता को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

## अमरावती जिला स्त्री अस्पताल में महिला की मौत, लापरवाही के आरोप में डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग



**अमरावती।** जिले के जिला स्त्री अस्पताल में कथित लापरवाही के कारण एक युवा विवाहित महिला की मौत का गंभीर आरोप सामने आया है। मृतका के पति का दावा है कि उपचार के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही से उनकी पत्नी की जान गई। शुक्रवार को इस मामले को लेकर श्रमिक पत्रकार भवन में पत्रकार परिषद आयोजित की गई। पति ने कहा, 'मेरी पत्नी की मौत के लिए जिम्मेदार वही डॉक्टर हैं, जो उसे ऑपरेशन के लिए फिट मानकर भेजे। प्रशासन और डॉक्टर, दोनों पर कार्रवाई होनी चाहिए।' उन्होंने यह भी बताया कि मृतका को इलाज देने वाले डॉक्टरों के नाम अभी प्रशासन ने सार्वजनिक नहीं किए हैं। 'मेरी पत्नी की मौत के लिए जिम्मेदार वही डॉक्टर हैं, जो उसे ऑपरेशन के लिए फिट मानकर भेजे। प्रशासन और डॉक्टर, दोनों पर कार्रवाई होनी चाहिए।' उन्होंने यह भी बताया कि मृतका को इलाज देने वाले डॉक्टरों के नाम अभी प्रशासन ने सार्वजनिक नहीं किए हैं। मृतका को ऑपरेशन के लिए फिट करने वाला गाइनोलॉजिस्ट सीधे जिम्मेदार है। पति ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी को अबर्शन के तीन दिन बाद ऑपरेशन के लिए भेजा गया। मैं चाहता हूँ कि दोषी पर कड़ी कार्रवाई हो,' उन्होंने कहा। इस मामले ने जिला स्त्री अस्पताल और स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। यह मामला स्वास्थ्य प्रशासन की जवाबदेही, निगरानी और अस्पताल प्रबंधन पर भी सवाल उठाता है। अब सभी की निगाहें इस पर हैं कि प्रशासन इस मामले में कौन जिम्मेदार पाएगा और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

## बाणेर इलाके में पैदल जा रही महिला से अश्लील हरकत, बाइक सवार और उसके साथी पर मामला दर्ज

**मुन्ना मुजावर**

**पुणेः** बानेर रोड इलाके में एक पैदल चल रही महिला के साथ अश्लील हरकतें करने की घटना हुई। इस मामले में पुलिस ने एक बाइकर और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में एक महिला ने बानेर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उसकी शिकायत के अनुसार, बाइकर और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायत करने वाली महिला बानेर इलाके में रहती है। 26 जनवरी को सुबह करीब 5:30 बजे महिला और उसका दोस्त टहलने गए थे। उस समय बाइकर और उसके साथी ने महिला के साथ अश्लील हरकत की। महिला चिल्लाई। बाइकर और उसका साथी तेज रफ्तार से भाग गए। महिला ने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बानेर रोड इलाके से ण्ण्ऊ़ फुटेज चेक की है और असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर बाबासाहेब ज़रेकर जांच कर रहे हैं। एक साल पहले बानेर, बालेवाड़ी इलाके में पैदल चलने वाली महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें होने की घटनाएं हुई थीं।

## नया 7/12 तैयार, बिक्री के बाद शेष जमीन कैसे? बड़नेरा सर्वे 351/4 में राजस्व विभाग की लापरवाही उजागर

**अमरावती।** बड़नेरा मौजा, तहसील और जिला अमरावती के सर्वे नंबर 351/4 की जमीन से जुड़े राजस्व अभिलेखों में गंभीर विसंगतियाँ सामने आई हैं। जमीन का मूल क्षेत्रफल, वितरण, बिक्री और फिर नया 7/12 तैयार करने की प्रक्रिया ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिलेखों के अनुसार, तुकाराम देवाजी निचत को मध्यप्रदेश शासन के भूमिधारी हकांतर्गत यह जमीन मिली थी। उनके निधन के बाद यह जमीन परिवार में बंटी। हस्तलिखित अभिलेखों के मुताबिक, वामन तुकाराम निचत के हिस्से में 0.24 हेक्टेयर जमीन आई थी। महत्वपूर्ण यह है कि वामन तुकाराम निचत ने अपने हिस्से की पूरी जमीन 11 फरवरी 2023 को पंजीकृत दस्तावेज़ के माध्यम से तृतीय पक्ष को बेच दी थी। ऐसे में उनके नाम पर इस सर्वे नंबर में कोई जमीन शेष नहीं थी। फिर भी वामन ने तहसील कार्यालय में आवेदन देकर दावा किया कि उनके पास 0.28 हेक्टेयर जमीन है। आवेदन में पुराने अभिलेखों में दर्ज 3 एकड़ को नए दस्तावेज़ में 3 एकड़ 30 गुंठे दिखाया गया। इस आवेदन पर कार्यवाही करते समय, क्या जरूरी प्रत्यक्ष निरीक्षण (स्पॉट वेरिफिकेशन), पड़ोसी धारकों से पूछताछ या पुराने अभिलेखों की गहन पड़ताल की गई थी, ऐसी कोई पुष्टि सामने नहीं आई। बावजूद इसके संबंधित सर्वे नंबर के लिए नया 7/12 उतारा तैयार किया गया और बाद में जमीन का दर्जा वर्ग-2 से वर्ग-1 में बदल दिया गया। जमीन बिक्री के कुछ ही दिनों बाद संबंधित व्यक्ति की आत्महत्या की चर्चा स्थानीय स्तर पर हुई। जमीन व्यवहार और अभिलेखों में गड़बड़ी के साथ यह घटना पूरे प्रकरण को और गंभीर बनाती है। पूरी प्रक्रिया से कई सवाल उठ रहे हैं। मूल जमीन पहले ही बिक चुकी थी, फिर नया 7/12 कैसे तैयार हुआ? आवेदन में दस्तावेजों में फेरबदल अधिकारियों की नजर में क्यों नहीं आया? क्या पटवारी, मंडल अधिकारी और तहसील स्तर पर प्रत्यक्ष निरीक्षण हुआ या केवल कागजी प्रक्रिया पूरी की गई? प्रशासन में दबे स्वर में किसी अंतरिक समझौते की संभावना भी चर्चा में है। हालांकि कुछ समय बाद विभाग को अपनी गलती का अहसास हुआ और संबंधित 7/12 उतारा बंद कर दिया गया। अब यह स्पष्ट नहीं कि पहले किए गए निर्णयों की जवाबदेही किस पर तय होगी। साथ ही, जमीन खरीदने वाले लोगों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की जिम्मेदारी भी सवाल के घेरे में है। पूरा मामला यह दर्शाता है कि जमीन की बिक्री, नए 7/12 के निर्माण और दर्जा परिवर्तन के दौरान कौन-कौन से सत्यापन हुए और क्या जांच पूरी हुई, इस पर अब स्थानीय प्रशासन और जिलाधिकारी स्तर पर क़ोई जांच की जायेगी या नहीं? साथ ही यह भी देखा जाना बाकी है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और नागरिकों को हुए संभावित नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन की ओर से क्या ठोस कदम उठाए जायेंगे।

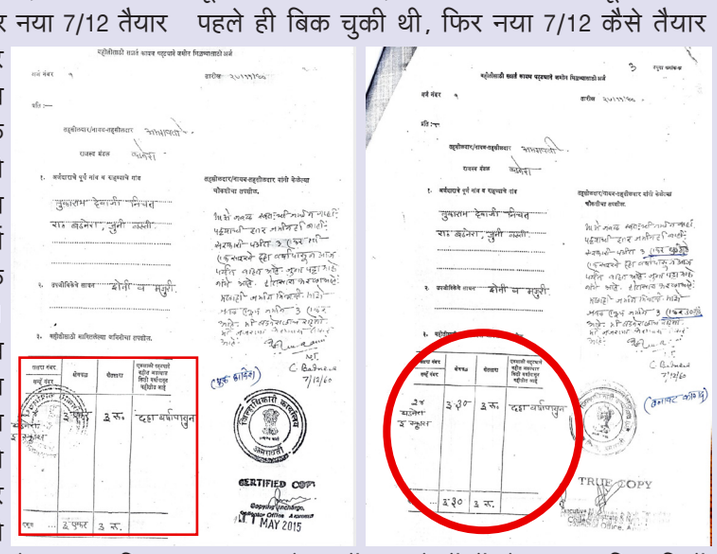







**तहसीलदार विजय लोखंडे ने फोन पर कहा, 'संबंधित व्यक्ति ने तहसील कार्यालय में 'मेरी जमीन शेष है' के साथ आवेदन किया। आवेदन के साथ जरूरी कागजात संलग्न थे। इसके आधार पर रिपोर्ट मांगी गई और महाराष्ट्र जमीन राजस्व संहिता 1966 के तहत Mutation की प्रक्रिया, गावनमुना 6 (फेरफार पत्रक) के अनुसार पूरी की गई। संबंधित कागजात कार्यालय से उपलब्ध कराए जाएंगे।'**

**बड़नेरा पटवारी सुरज रताले ने कहा, 'संबंधित व्यक्ति ने तहसील कार्यालय में आवेदन किया। नियम के अनुसार मैंने अपनी रिपोर्ट सौंपी। बाद में मामले की कुछ विसंगतियाँ सामने आने पर उन्हें तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को बताया। उसके बाद संबंधित 7/12 उतारा तात्कालिक रूप से बंद कर दिया गया।'**

**इस संबंध में मंडल अधिकारी धोटे से संपर्क करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कार्यालय में मिलने को कहा, लेकिन लगातार दो दिन प्रयास करने के बावजूद उनसे कोई मुलाकात या प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।**

# हितेंद्र ठाकुर का किला नहीं भेद पाई भाजपा

**शाहनवाज़ अंसारी**

**वसई-विरार–** महानगरपालिका चुनावों में राज्यभर में धमाकेदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वसई-विरार में हितेंद्र ठाकुर के गढ़ को भेदने में नाकाम रही। वसई-विरार महानगरपालिका चुनावों में बहुजन विकास आघाड़ी (बीवीए) ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया। 'फाइट अगेंस्ट क्रिमिनल' के पत्रकार शाहनवाज़ अंसारी ने इस जीत के बाद बहुजन विकास आघाड़ी के युवा नेता क्षितिज ठाकुर से मुलाकात की। जब उनसे जीत की वजह पूछी गई, तो क्षितिज ठाकुर ने इस सफलता का पूरा श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं और वसई-विरार की जनता को दिया। बहुजन विकास आघाड़ी ने वसई-विरार महानगरपालिका की कुल 116 सीटों में से 71 सीटों पर जीत दर्ज की है। गौरतलब है कि इससे पहले हुए विधानसभा चुनावों में बीवीए को वसई-विरार की दोनों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में महानगरपालिका चुनावों में मिली यह जीत पार्टी के लिए नई संजीवनी के रूप में देखी जा रही है। क्षितिज ठाकुर ने कहा, 'पिछले 30 वर्षों से वसई-विरार की जनता हमें लगातार प्यार और समर्थन देती आ रही है। इस बार भी जनता ने हम पर भरोसा जताया है। हम इस भरोसे पर खरा उतरने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे। जनता के लिए हमारे दरवाज़े हमेशा खुले रहेंगे।' इस जीत के साथ बहुजन विकास आघाड़ी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वसई-विरार की राजनीति में हितेंद्र ठाकुर का प्रभाव अब भी मजबूत बना हुआ है।

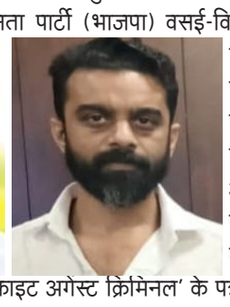





यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व), मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)